सिंगापुर टाउनशिप में चल रही थी नकली नोटों की फैक्ट्री

- 200 रुपए का नकली नोट चलाते युवक पकड़ाया तो खुल गया राज
- 44 हजार के जाली नोट और प्रिंटिंग मशीन के साथ मास्टर माइंड धराया
- मास्टर माइंड के साथी को भी पुलिस ने किया गिरफ्तार

नव भारत न्यूज

इंदौर. महज 200 रुपए का नकली नोट चलाने की कोशिश ने जाली नोट छापने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर दिया. राजनगर स्थित रेस्टोरेंट संचालक की सतर्कता से एक युवक को मौके पर ही पकड़ लिया गया. पूछताछ में मिले सुराग पर पुलिस ने गिरोह के मास्टर माइंड और उसके साथी को भी गिरफ्तार कर लिया. आरोपियों के कब्जे से करीब 44 हजार रुपए के नकली नोट और नोट छापने में इस्तेमाल होने वाली प्रिंटिंग मशीन जब्त की गई है. मुख्य आरोपी पहले भी नकली नोट के मामले में गिरफ्तार हो चुका है और जमानत पर छूटने के बाद फिर इसी अवैध कारोबार में जुट गया था.

गांधी नगर थाना प्रभारी अनिल यादव ने बताया कि गुरुवार 25 जून को राजनगर स्थित सांवरिया रेस्टोरेंट पर एक युवक ने चाय नाश्ता करने के बाद 200 रुपए का नोट देकर भुगतान किया. नोट संदिग्ध लगने पर रेस्टोरेंट संचालक यशवंत यादव ने कर्मचारी आशीष चौहान की मदद से युवक को रोक लिया और पुलिस को सूचना दी. पुलिस ने आरोपी दीपक पटेल निवासी अटाहेड़ा (देपालपुर) को हिरासत में लेकर तलाशी ली तो उसके पास से 4 हजार रुपए के नकली नोट बरामद हुए.

पूछताछ में दीपक ने बताया कि नकली नोट उसे सिंगापुर टाउनशिप निवासी संजय पुत्र महेश वैष्णव ने बाजार में चलाने के लिए दिए थे. इसके बाद पुलिस ने संजय के ठिकाने पर दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया. तलाशी के दौरान उसके कब्जे से करीब 40 हजार रुपए के नकली नोट और नकली नोट छापने में उपयोग प्रिंटिंग मशीन बरामद हुई. कार्रवाई के दौरान पुलिस ने संजय के साथी रवि को भी गिरफ्तार किया है.

मुख्य आरोपी पहले भी नकली नोट मामले में हो चुका है गिरफ्तार

एसीपी निधि सक्सेना ने बताया कि मुख्य आरोपी संजय वैष्णव पहले भी नकली नोट के मामले में खंडवा एसटीएफ की कार्रवाई में गिरफ्तार हो चुका है. जेल से जमानत पर रिहा होने के बाद उसने दोबारा नकली नोट छापने और बाजार में खपाने का धंधा शुरू कर दिया. पुलिस अब उसके पूरे नेटवर्क, नोटों की सप्लाई और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है.

सूने मकान का ताला तोड़कर लाखों के जेवर व नकदी चोरी

इंदौर. लसूड़िया थाना क्षेत्र की ज्ञानशीला कॉलोनी में सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात बदमाश सोने चांदी के जेवर, नकदी और मोबाइल चोरी कर ले गए. थाना प्रभारी राजकुमार यादव ने बताया कि शिकायतकर्ता सत्यम श्रीवास्तव ने शिकायत में बताया कि बदमाश मेन गेट का ताला तोड़कर घर में घुसे और अलमारी में रखे सोने का हार, चांदी की पायल, सिक्के, कड़े, नकदी, पुराने मोबाइल समेत अन्य सामान चुराकर फरार हो गए. पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

थाने के बाहर वीडियो में पुलिस पर अभद्र टिप्पणी कर दी चुनौती

- वीडियो वायरल होने के बाद युवक की तलाश में जुटी पुलिस

इंदौर. बाणगंगा थाना क्षेत्र में पुलिस पूछताछ के बाद एक युवक द्वारा थाने के बाहर खड़े होकर पुलिस के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने का मामला सामने आया है. वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने युवक की तलाश शुरू कर दी है और उसके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की तैयारी की जा रही है.

कालिंदी गोल्ड क्षेत्र निवासी पंकज मालवीय को एक महिला की शिकायत के संबंध में दो दिन पहले पूछताछ के लिए बाणगंगा थाने बुलाया था. पूछताछ पूरी होने के बाद वह थाने से बाहर निकला और मोबाइल से वीडियो बनाकर पुलिस के खिलाफ अपशब्द कहे. वीडियो में उसने किसी भी पुलिस कार्रवाई से नहीं डरने और जेल जाने का भी भय नहीं होने की बात कही. बताया जा रहा है कि पंकज ने यह वीडियो गुरुवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपलोड कर दिया, जिसके बाद वह तेजी से वायरल हो गया. वीडियो की जानकारी मिलते ही बाणगंगा थाना पुलिस ने युवक की तलाश शुरू कर दी है. थाना प्रभारी सियाराम गुर्जर ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और वीडियो के आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी.

3 लोगों ने मानसिक तनाव के चलते अलग-अलग किया सुसाइड

- लॉ स्टूडेंट, इंजीनियरिंग छात्र और एमपी ऑनलाइन संचालक ने लगाई फांसी

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में आत्महत्या के तीन मामले सामने आए. इनमें एक लॉ स्टूडेंट, एक इंजीनियरिंग छात्र और एक एमपी ऑनलाइन संचालक शामिल हैं. तीनों मामलों में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है. घटनास्थलों से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है. शुरुआती जांच में आत्महत्या को लेकर अलग-अलग कारणों से मानसिक तनाव की बात सामने आई है. पुलिस हर पहलुओं पर जांच कर रही है.

पुलिस के अनुसार, पलासिया थाना क्षेत्र की बड़ी ग्वालटोली निवासी 27 वर्षीय आदर्श सोलंकी ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. आदर्श ने हाल ही में एलएलबी की पढ़ाई पूरी की थी और कोर्ट में प्रैक्टिस कर रहा था, उसकी सनद अभी जारी नहीं हुई थी. घटना के समय वह घर पर अकेला था. उसकी मां निजी स्कूल में शिक्षिका हैं. स्कूल से लौटने पर उन्होंने बेटे को फंदे पर लटका देखा. परिजनों ने बताया कि माता-पिता का वर्षों पहले तलाक हो चुका था और आदर्श मामा के परिवार के साथ रह रहा था. दोस्तों के मुताबिक वह पिछले कुछ समय से अवसाद में था और काफी कम लोगों से बातचीत करता था.

दूसरा मामला हीरानगर थाना क्षेत्र का है. यहां गौरी नगर निवासी 20 वर्षीय राजकुमार कुशवाह ने भी फांसी लगाकर जान दे दी. वह हैदराबाद स्थित एनआईटी में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा था. पढ़ाई के लिए उसने करीब छह लाख रुपए का एजुकेशन लोन लिया था. पढ़ाई प्रभावित होने पर वह अपने गांव बिहार लौट गया था. बाद में परिचित उसे इंदौर लेकर आया, लेकिन पढ़ाई और कर्ज के दबाव मे मानसिक तनाव में था. गुरुवार को परिचित के काम पर जाने के दौरान उसने यह आत्मघाती कदम उठा लिया.

पत्नी की मौत के बाद से मानसिक तनाव में था गजेंद्र

आजाद नगर थाना क्षेत्र के मूसाखेड़ी निवासी 45 वर्षीय गजेंद्र पुत्र माधवलाल ने भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. वह एमपी ऑनलाइन सेंटर संचालित करता था. उसके भाई ने रात में शव फंदे पर लटका देखा. परिजनों के अनुसार करीब डेढ़ वर्ष पहले पत्नी की बीमारी से मौत के बाद से वह मानसिक तनाव में रह रहा था. घटना के समय उसके माता-पिता घर पर नहीं थे.

लोन की किश्त को लेकर रिकवरी एजेंट ने बुजुर्ग से की अभद्रता

इंदौर. लोन की किश्त जमा नहीं करने पर एक बुजुर्ग को बार-बार फोन कर गाली गलौज, अश्लील बातें करने और घर का ताला तोड़कर वसूली करने की धमकी देने का मामला सामने आया है. एमआईजी पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर बजाज फाइनेंस के रिकवरी एजेंट सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है. थाना प्रभारी चंद्रभाल सिंह ने बताया कि नेहरु नगर में रहने वाले फरियादी रामचंद्र सोनकुसरे ने बताया कि उन्होंने अक्टूबर 2025 में बजाज फाइनेंस कंपनी से 1.48 लाख रुपए का लोन लिया था. 25 जून को सुबह 11.44 बजे उनके मोबाइल पर रिकवरी एजेंट श्याम ने फोन किया. आरोप है कि श्याम ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर 56 बार कॉल किए और लोन की किस्त जमा नहीं करने पर मां बहन की गालियां दीं. इतना ही नहीं, उनकी बेटी के बारे में भी अश्लील बातें कीं तथा घर का ताला तोड़कर वसूली करने की धमकी दी. पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी श्याम एवं उसके अन्य साथियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

कार पर बीजेपी का स्टीकर और एमडी ड्रग्स की तस्करी

- अर्टिगा कार के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार
- आरोपियों के पास से 11 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद
- बिना नंबर प्लेट की कार का कर रहे थे उपयोग

नव भारत न्यूज

इंदौर. पुलिस से बचने के लिए अर्टिगा कार पर बीजेपी का स्टीकर लगाकर और बिना नंबर प्लेट के एमडी ड्रग्स की तस्करी कर रहे तीन आरोपियों को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है.

आरोपियों के कब्जे से 11 ग्राम एमडी ड्रग्स और तस्करी में इस्तेमाल की जा रही आर्टिगा कार जब्त की गई है. तीनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर पूछताछ की जा रही है. डीसीपी क्राइम राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि सफेद रंग की आर्टिगा कार में सवार कुछ लोग टिगरिया बादशाह रोड पर एमडी ड्रग्स की खेप की डिलीवरी देने आने वाले हैं.

सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच की टीम ने इलाके में घेराबंदी की. संदिग्ध कार के पहुंचते ही टीम ने उसे रोकने का प्रयास किया तो उसमें सवार युवक भागने लगे, लेकिन पुलिस ने आगे वाहन अड़ाकर उन्हें पकड़ लिया. तलाशी के दौरान कार से 11 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई, पुलिस ने कार भी जब्त कर ली. जांच में सामने आया कि कार पर पुलिस की नजर से बचने के लिए बीजेपी का स्टीकर लगाया था, जबकि वाहन पर नंबर प्लेट भी नहीं थी.

दो आरोपियों का पूर्व से है आपराधिक रिकॉर्ड

गिरफ्तार आरोपियों का नाम नूरा उर्फ फिरोज निवासी चोइथराम रोड, शिफाज उर्फ गब्बू निवासी सदर बाजार और अहमद उर्फ भय्यू निवासी सिकंदराबाद कॉलोनी बताया गया है. तीनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है. प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपियों में से दो का आपराधिक रिकॉर्ड भी है और वे लंबे समय से शहर में एमडी ड्रग्स की तस्करी से जुड़े हुए हैं. पुलिस अब उनसे पूछताछ कर यह पता लगा रही है कि ड्रग्स कहां से लाई गई थी, इसे किसे सप्लाई किया जाना था और इस नेटवर्क में और कौन कौन लोग शामिल हैं.